मेरे कैलाश के वासी | By Kuldeep Panwar

मेरे कैलाश के वासी
बनूँगी तेरी दासी
गर है परवाह ज़रा सी
दर्शन देदो अविनाशी

लगे न अच्छे महल दुमहले
वन में कुटी बनाउंगी
ठान लिया है मन में मैंने
भोले संग मैं जाउंगी
वर मिल जाए कैलाशी
बनूँगी तेरी दासी
मेरे कैलाश के वासी
बनूँगी तेरी दासी

तेरे कारण भोले बाबा
त्याग दिया संसार को
सौंप दिया तुम्हे जीवन सारा
थाम लो पतवार को
मेरी जगत करे ना हांसी
बनूँगी तेरी दासी
मेरे कैलाश के वासी
बनूँगी तेरी दासी

ऐसे मेरे पुण्य नहीं जो
तेरी शरण में आऊं मैं
तू ही बता मेरे औघड़ दानी
जाऊं तो कहाँ जाऊं मैं
बस जाऊं मैं तेरी काशी
बनूँगी तेरी दासी
मेरे कैलाश के वासी
बनूँगी तेरी दासी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b6-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b8%e0%a5%80-by-kuldeep-panwar/